Total Pages : 8

2642-R

Second Year Arts (Regular) Examination, 2018

SANSKRIT

Paper–II

(प्राचीन भारतीय संस्कृति, धर्मशास्त्र, व्याकरण, अनुवाद एवं निबन्ध)

Time allowed : Three Hours
Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. **अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिये। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :**

इकाई-I

(i) 'संस्कृति' पद की व्युत्पत्ति एवं अर्थ लिखिये।

(ii) प्राचीन शिक्षा के प्रमुख विषय कौन से थे? नाम लिखिये।

इकाई-II

(iii) संकल्प से क्या (संकल्पज) उत्पन्न होते हैं?

(iv) नित्य अभिवादनशील तथा वृद्धोपसेवी को क्या लाभ होते हैं?

इकाई-III

(v) 'एतन्मुरारि:'-पद का ससूत्र सन्धि विच्छेद कीजिये।

(vi) 'स्था' धातु के विधिलिङ्ग लकार के रूप लिखिये।

इकाई-IV

(vii) 'वहमूर्ख इस विद्वान से ईर्ष्या करता है।'-वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिये।

(viii) वैदिक साहित्य में उपनिषद् सर्वोत्कृष्ट ग्रन्थ है-वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिये।

इकाई-V

(ix) महाकवि कालिदास पर दो वाक्य संस्कृत में लिखिये।

(x) 'सत्सङ्गतिः' पर संस्कृत भाषा में दो वाक्य लिखिये।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. 'संन्यास' आश्रम का विवेचन कीजिये।

3. प्राचीन 'राज्य' के प्रमुख अंगों का संक्षिप्त विवरण दीजिये।

इकाई-II

4. अधोलिखित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

विद्वद्भिः सेवितः सद्भिर्नित्यमद्वेषरागिभिः।

हृदयेनाभ्यनुज्ञातो यो धर्मस्तं निबोधत।।

5. अधोलिखित श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिये :

एतदक्षरमेतां च जपन्व्याहृतिपूर्विकाम्।

संध्ययोर्वेदवित्विप्रो वेदपुण्येन युज्यते।।

इकाई-III

6. 'उद:स्थास्तम्भो: पूर्वस्य' तथा 'हलि सर्वेषाम्'- सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

7. 'छेच' तथा 'रोऽसुपि'-सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

इकाई-IV

8. अधोलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिये :

(i) प्रिय वाक्य बोलने से सभी मानव प्रसन्न होते हैं।

(ii) मैं प्रात: शीघ्र उठकर व्यायाम करता हूँ।

(iii) महर्षि वाल्मीकि का आश्रम तमसा नदी के तट पर था।

(iv) देवव्रत, नारद के साथ संस्कृत में बात करता है।

(v) अपराधी, राजदण्ड के भय से छिपता है।

(vi) नीलकण्ठ के सोने पर पिता घर से बाहर आया।

(vii) दक्षिण के दोनों ओर समुद्र है।

(viii) राजस्थान में एक संस्कृत विश्वविद्यालय है।

(ix) जो सत्-असत् को जानता है वही पण्डित है।

(x) वाणी से जो वस्तु या घटना जिस प्रकार की है, वैसी ही कहना सत्य है।

इकाई-V

9. निम्न में से किसी एक विषय पर संस्कृत में लेख लिखिये :

(i) मम महाविद्यालय:।

(ii) परोपकार:।

(iii) महाकवि: भास:।

खण्ड-स

इकाई-I

10. प्राचीन भारतीय न्यास व्यवस्था पर लेख लिखिये।

इकाई-II

11. मनुस्मृति के अनुसार ब्रह्मचारी के कर्त्तव्यों पर लेख लिखिये।

इकाई-III

12. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों के विभक्ति, वचन और लिङ्ग का निर्देश कीजिये :

(i) सुधीः।

(ii) ना।

(iii) मद्योनः।

(iv) तिर्यञ्चः।

(v) पुमान्।

(vi) आशिषः।

(vii) अह्नः।

(viii) पयसा।

(ix) पक्षी।

(x) पती।

(ब) अधोलिखित में से किन्हीं पाँच धातुओं के लकार व पुरुष रूप लिखिये:

(i) यत् धातु लट्लकार प्रथम पुरुष।

(ii) स्तु धातु लोट् लकार मध्यम पुरुष।

(iii) वृत् धातु विधिलिङ्ग लकार, उत्तम पुरुष।

(iv) जन् धातु लङ् लकार प्रथम पुरुष।

(v) धातु लट् लकार उत्तम पुरुष।

(vi) ब्रू धातु लोट् लकार प्रथम पुरुष।

(vii) दुह् धातु विधिलिङ्ग लकार मध्यम पुरुष।

(viii) शास् धातु लङ्लकार उत्तम पुरुष।

(ix) चिन्त् धातु लट्लकार मध्यम पुरुष।

(x) तन् धातु लट् लकार प्रथम पुरुष।

इकाई-IV

13. संस्कृत में अनुवाद कीजिये :

मेरे महाविद्यालय में एक विशाल पुस्तकालय है। उसका भवन विशाल और सुन्दर है। उसमें विभिन्न विषयों-राजनीति शास्त्र अर्थशास्त्र, संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, भूगोल आदि की श्रेष्ठ पुस्तकों का संग्रह है। अनेक छात्र-छात्राएँ अध्ययनार्थ यहाँ आते हैं।

इकाई-V

14. संस्कृत में निबन्ध लिखिये :

'परोपकार:' अथवा उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मी:।